PARIPEX - INDIAN JOURNAL OF RESEARCH | Volume - 11 | Issue - 06 | June - 2022 | PRINT ISSN No. 2250 - 1991 | DOI : 10.36106/paripex

ORIGINAL RESEARCH PAPER

Sociology

ग्राम पंचायत के विकास में महिला मतदाताओं की भूमिका।

KEY WORDS: महिला , पंचायत, मतदान व्यवहार

सबा प्रवीन

शोध छात्रा, समाजशास्त्र विभाग, चौधरी चरण सिहं विश्वविद्यालय, मेरठ।

ABSTRACT

लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण में पंचायती राज संस्थाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है! चुनाव का संबंध केवल पुरुष प्रतिनिधियों तक ही सीमित नहीं है वरन महिला प्रतिनिधियों की भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका है प्रस्तुत शोध पत्र ग्राम पंचायत के विकास में महिला मतदाताओं की भूमिका को दर्शाता है! इस शोधपत्रमें महिला मतदाताओं की सामाजिक व आर्थिक पृष्ठभूमि व उनके व्यवहार को प्रभावित करने वाले कारकों का विवेचन विश्लेषण कर्मानुसार किया गया है शोध छात्रा ने अपने अध्ययन के लिए साक्षात्कार अनुसूची व अवलोकन पद्धति का प्रयोग किया है और निष्कर्ष में पाया है कि मतदान को धर्म,जाति,प्रत्याशी का चुनाव प्रचार ,प्रत्याशी की साफ-सुथरी छवि प्रभावित करती है!

परिचय: भारत में पंचायतों में महिलाओं की भागीदारी के मुद्दे ने जनवरी 1957 में गठित बलवंत राय मेहता समिति के माध्यम से थोड़ी बहुत रफ्तार पकड़ी जब समिति ने 1959 में लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण नाम से अपनी रिपोर्ट इस कमेटी ने देश के उत्थान में महिलाओं की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए यह विचार व्यक्त किया कि जब तक देश की महिलाओं को विकास प्रक्रिया में भागीदारी नहीं बनाया जाएगा तब तक देश की वास्तविक प्रगति नहीं हो सकेगी इस समस्या पर विचार करते हुए बलवंत राय मेहता कमेटी ने अपनी अनुशंसा में प्रत्येक पंचायत समिति में महिला प्रतिनिधित्व के अनुभव में दो महिलाओं को नामांकित करने का प्रावधान रखा गया था! 1974 में पहली बार वर्ग स्तर पर महिलाओं के विकास पर अलग से सोचा गया तथा महिलाओं की स्थिति पर आयोग को रिपोर्ट ने महिला पंचायतों के गठन का सुझाव दिया!

चुनाव से संबंधित एक अन्य पहलू मतदान व्यवहार भी है मतदान व्यवहार एक ऐसा आंतरिक व बाह्य तत्व है जिससे प्रभावित होकर चुनावी प्रक्रिया में मतदाता भाग लेते हैं! लोकतंत्र में प्रतिनिधि का चयन प्रक्रिया में मतदाता की पूर्ण एवं स्वेच्छा से भागीदारी हो इस कारण से मतदान व्यवहार का अध्ययन अनिवार्य हो जाता है! मतदान व्यवहार पर जितने भी अध्ययन हुए हैं उनमें से ज्यादातर अध्ययन मतदान व्यवहार को प्रभावित करने वाले कारकों पर हुए हैं जिसमें जाति ,धर्म ,भाषा ,संप्रदाय, धन आदि का प्रभाव अधिक देखा गया है और इन सब कारकों में जाति और धर्म अधिक प्रभावी पाए गए हैं तथा ग्राम पंचायत के विकास में महिला मतदाताओं की भूमिका पर कोई अध्ययन नहीं पाया गया है!
शोध पत्र की उपादेयता: प्रस्तुत शोध पत्र ग्राम पंचायत के विकास में महिला मतदाताओं की भूमिका को सशक्त बनाने में सहायक होगा!

अध्ययन समस्या का कथन:उपरोक्त परिप्रेक्ष्य को दृष्टिगत रखते हुए वर्तमान अध्ययन में निम्नलिखित प्रश्नों को समझने का प्रयास किया गया है-

1. महिला मतदाताओं की सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि का अध्ययन!

2. महिला मतदाताओं के व्यवहार को प्रभावित करने वाले कारकों का अध्ययन!
शोध के प्रथम उद्देश्य में महिला मतदाताओं की सामाजिक आर्थिक पृष्ठभूमि से संबंधित सूचकांक को को सम्मिलित किया गया है जैसे आयु, धर्म ,जाति ,शिक्षा ,आय,परिवार का प्रकार आदि!

शोध के द्वितीयक उद्देश्य में महिला मतदाताओं के मतदान को प्रभावित करने वाले कारक हो जैसे जाति ,धर्म ,राष्ट्रवाद ,भाषावाद ,सामाजिक कार्यों में सहभागिता आदि को सम्मिलित किया गया है!

अध्ययन के स्रोत: प्रस्तुत शोध पत्र में प्राथमिक व द्वितीयक दोनों स्रोतों का उपयोग किया गया है प्राथमिक स्रोत में अनुसूची ,अवलोकन व साक्षात्कार पद्धतियों का प्रयोग कियागया है, द्वितीयक स्रोत में अध्ययन विषय से संबंधित शोध रिपोर्ट ,पुस्तकें,पत्रिकाएं ,जर्नल ,इंटरनेट आदि का प्रयोग किया गया है!

अध्ययन क्षेत्र: गांव अंतवाडा को अध्ययन का क्षेत्र चुना गया है यह गांव ब्लॉक खतौली जिला मुजफ्फरनगर में (उत्तर प्रदेश) में स्थित है!
गांव अंतवाड़ा को अध्ययन क्षेत्र चुनने का उद्देश्य:

1.क्षेत्र के विषय में अपेक्षाकृत अधिक जानकारी!
2.समय वधन की बचत!
3.इस क्षेत्र में शोधार्थी की गहन रुचि!
4.क्षेत्र की सामाजिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से शोधार्थी का परिचित होना!
अध्ययन पद्धति: शोध छात्रा में अपने अध्ययन के लिए साक्षात्कार अनुसूची व अवलोकन पद्धति का प्रयोग किया है!

विश्लेषण:
1. महिला मतदाताओं की सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि का अध्ययन: शोध के प्रथम उद्देश्य में मतदाताओं की सामाजिक आर्थिक पृष्ठभूमि से संबंधित सूचकांक को को सम्मिलित किया गया है!
1. 100 में से 32 %महिला सूचनादाता 18 से 28 आयु वर्ग की है!
2. 64 % महिला सूचनादाता विवाहित हैं!
3. 70 % महिला सूचनादाता संयुक्त परिवार की है!
4. 33 % महिला सूचनादाता शिक्षित हैं!
5. 100 % महिला सूचनादाता हिंदू धर्म की है!
6. 82 % महिला सूचनादाता अन्य पिछड़े वर्ग से संबंधित है!

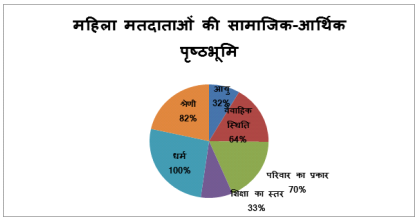

2. मतदाताओं के व्यवहार को प्रभावित करने वाले कारकों का अध्ययन- शोध के द्वितीय उद्देश्य में महिला मतदान व्यवहार को प्रभावित करने वाले कारकों को सम्मिलित किया गया है!

1. 100 में से 45% महिला सूचनादाता ऐसी हैं जिनके मतदान पर जाति का प्रभाव पड़ता है!
2. 50% महिला सूचनादाता प्रत्याशी से प्रभावित होकर उसके लिए चुनाव प्रचार करती हैं!
3. 55% महिला सूचनादाता ऐसी है जो उम्मीदवार की सामाजिक कार्यों में सहभागिता से प्रभावित होती हैं और उसे ही अपना वोट देती हैं!
4. 40% महिला सूचनादाता पर प्रत्याशी की साफ-सुथरी छवि का प्रभाव मतदान पर पड़ता है

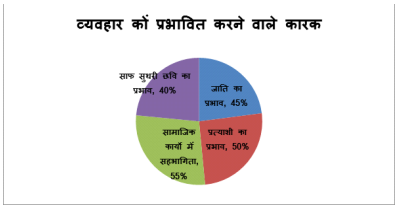

निष्कर्ष: अधिकतर महिला सूचनादाता 18 से 25 आयु वर्ग विवाहित,संयुक्त परिवार,हिंदू धर्म के अन्य पिछड़े वर्ग जाति से हैं जो कि स्नातक या उससे अधिक शिक्षित हैं जिनके मतदान को धर्म,जाति,प्रत्याशी का चुनाव प्रचार,और प्रत्याशी की साफ-सुथरी छवि प्रभावित करती है!

संदर्भ ग्रंथ सूची:

1. डॉ राकेश कुमार (2018) पंचायती राज एवं महिला नेतृत्व विकास एक विमर्श
2. दुर्गा दास बसु सन (2011) भारत का संविधान,नई दिल्ली
3. डॉ धर्मवीर (1966) राजनीतिक समाजशास्त्र,जयपुर
4. हरीशचंद्र शर्मा (1988) भारत में राज्यों की राजनीति ,जयपुर